संपादकीय

फर्जी कंपनियों से बढ़ता बैंकों का संकट

इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएफएस) द्वारा लिए गये फर्जी ऋणों से अभी देश की बैंकिंग व्यवस्था जूझ ही रही है। आगे और विकट समस्या उत्पन्न होती दिख रही है। आईएलएफएस जैसी ही दूसरी विशालकाय कंपनी द्वारा एक जल विद्युत परियोजना बनायी जा रही है। इस परियोजना के अध्ययन करने से पता लगा कि कंपनी द्वारा इस परियोजना को एक सहायक कंपनी के नाम से बनाया जा रहा है। इस प्रकार की सहायक कंपनियों को सब्सिडियरी कहा जाता है। इनके 100 प्रतिशत शेयर प्रमुख कंपनी के हाथ में होते हैं। इस कंपनी ने 100 से अधिक सहायक कंपनियां बना रखी हैं। इन सहायक कंपनियों द्वारा बैंकों से भारी मात्रा में ऋण लिए जा रहे हैं। वर्ष 2018-2019 के अंत में इन सहायक कंपनियों द्वारा 71,600 करोड़ रुपये की विशाल रकम देश के बैंकों से ऋण के रूप में ली गई है। यह रकम 90,000 करोड़ रुपये के आईएलएफएस के ऋण के लगभग बराबर है। अतः जिस प्रकार आईएलएफएस के डूबने से पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गयी थी, उसी प्रकार इस कंपनी के उतार-चढ़ाव से भी बिगड़ सकती है। इस तरह की कंपनियों की कार्यविधि बड़ी रोचक है। सहायक कंपनियों द्वारा बैंक से ऋण लिये जाते हैं। फिर सहायक कंपनी अपनी ही प्रमुख कंपनी को ठेके देती है। ये ठेके ऊंचे दामों में दिये जाते हैं। जैसे पिता द्वारा घाटे में चलने वाली दुकान को बेटे के नाम हस्तांतरित कर दिया जाये और दुकान को चलाने का ठेका बेटे द्वारा पिता को ऊंचे दाम में दे दिया जाये। ऐसा होने पर बेटे को घाटा लगेगा चूंकि ऊंचे दाम पर पिता को ठेका दिया और पिता को लाभ होगा क्योंकि उसे ऊंचे दाम पर ठेके मिले। इसी प्रकार इस विशालकाय कंपनी ने घाटे में चलने वाली इस परियोजना को सब्सिडियरी के नाम हस्तांतरित कर दिया और परियोजना बनाने का ठेका सब्सिडियरी द्वारा अपने ही मालिक प्रमुख कंपनी को ऊंचे दाम में दिया गया। इस प्रकार सब्सिडियरी घाटा लग रहा है चूंकि ऊंचे दाम पर प्रमुख कंपनी को ठेका दिया गया है और प्रमुख कंपनी को लाभ हो रहा है क्योंकि उसे ऊंचे दाम पर ठेके मिल रहे हैं।

इनमें एक सहायक कंपनी उत्तराखंड में एक जलविद्युत परियोजना बना रही है। इस परियोजना को बनाने के लिए लिये गये लगभग 10 बिजली के कनेक्शनों में जून, 2019 में कुल 1465 हजार करोड़ यूनिट की बिजली की खपत हुई। इसमें केवल 18 हजार यूनिट सहायक कंपनी द्वारा खपत की गयी जोकि कागजों पर इस परियोजना को बना रही है। लेकिन अपनी सहायक कंपनी द्वारा दिए गये ठेकेदार के रूप में प्रमुख कंपनी ने शेष 98 प्रतिशत बिजली की खपत की। इससे पता लगता है कि प्रमुख कंपनी स्वयं ही इस परियोजना को बना रही है चूंकि 98 प्रतिशत बिजली उसके द्वारा ही खपत की जा रही है। सहायक कंपनी की एक कृत्रिम परत बीच में अनायास ही डाल दी जाती है। कारण यह कि परियोजना को भारी घाटा लग रहा है। इस घाटे को छुपाने के लिए इसे सहायक कंपनी के नाम से बनाया जा रहा है, जिससे प्रमुख कंपनी के खातों में घटा न दिखे। जैसे पिता ही घाटे में दुकान चलाये लेकिन बेटे के नाम दुकान कर दे, जिससे कि दुकान के घाटे को छुपाया जा सके। इस जलविद्युत परियोजना की सम्पत्ति लगभग 600 करोड़ रुपये बतायी जाती है। वर्ष 2013 आपदा में इसकी क्षति हुई और वर्तमान में इसकी सम्पत्ति का मूल्य 2000 करोड़ रुपये दिखाया जा रहा है। लेकिन आपदा में हुई क्षति की मरम्मत में हुए खर्च से सम्पत्ति का मूल्य नहीं बढ़ता है। जैसे कार यदि दुर्घटनाग्रस्त हो जाये तो उसकी मरम्मत में खर्च करना वाजिब होता है लेकिन इस खर्च के बावजूद कार की कीमत में गिरावट ही आती है, उसमें वृद्धि नहीं होती है। इसी प्रकार परियोजना में आपदा से नुकसान होने पर मरम्मत में किये गए खर्च वाजिब हो सकते हैं। लेकिन इन खर्च से परियोजना की पूंजी के मूल्य में वृद्धि नहीं होती है। परियोजना को 2013 की आपदा में घाटा हुआ लेकिन परियोजना द्वारा अपनी ही प्रमुख कंपनी को मरम्मत करने के लिये बढ़ा-चढ़ा कर ठेके दिए गये, जिससे प्रमुख कंपनी को लाभ हुआ । यही परिस्थिति इस विशालकाय कंपनी की अन्य सहायक कंपनियों में भी दिखती है।

केन्द्र सरकार बंद कर रही है सबका विश्वास स्कीम

नईदिल्ली(आरएनएस)। अगर आप किसी सर्विस सर्विस टैक्स या एक्साइज ड्यूटी संबंधित विवाद से जुड़े हैं तो आपके लिए ज्यादा समय नहीं बचा है।

बेहतर होगा कि 31 दिसंबर 2019 से पहले इसके समाधान के लिए रजिस्ट्रेशन करा लें। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वित्त मंत्रालय सबका विश्वास स्कीम की अंतिम अवधि आगे नहीं बढ़ाएगा। बता दें कि सबका विश्वास स्कीम के तहत टैक्सपेयर्स को लंबित टैक्स पर 40 से 70 फीसदी तक की छूट मिलती है। साथ ही ब्याज और जुर्माने के भुगतान में भी राहत मिलती है।

बता दें कि ऐसे विवादों का निपटारा करने के लिए वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को शुरू किया था, जिसकी अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2019 है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2019-20 के आम बजट में इस स्कीम की शुरुआत की थी। इस योजना के पीछे मंत्रालय का मकसद था कि बकाया राशि वालों को कुछ आंशिक छूट देकर इस तरह के सभी विवादों का निपटारा किया जाए। सरकार ने इस योजना को5 1 सितंबर 2019 से केवल 4 महीनों के लिए ही लागू किया था।

इस स्कीम की अवधि में अब लगभग खत्म होने वाली है, ऐसे में अब अधिकारियों के हवाले से कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सरकार इस स्कीम की अवधि नहीं बढ़ाएगी। अगर आप भी इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं तो आपके पास 31 दिसंबर 2019 तक ही अंतिम तारीख है।

इस स्कीम के तहत सरकार को अभी तक कुल 55,693 आवेदन को मिले हैं, जिनमें कुल 29,557.3 करोड़ रुपये का टैक्स विवाद जुड़ा है। जब वित्त मंत्रालय ने इस योजना को लॉन्च किया था तब, इससे जुड़े कुल 1.83 लाख टैक्स विवाद जुड़े हुए थे, जिनमें करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये फंसे पड़े हैं।

वीवो एस1 प्रो 4 जनवरी को भारत में लॉन्च होगा

नई दिल्ली(आरएनएस)। चीन की स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने ट्विटर पर खुलासा किया है कि कंपनी का वीवो एस1 प्रो 4 जनवरी को भारत में लॉन्च होगा। अमेजॅन की वेबसाइट पर माइक्रोसाइट ने भी पुष्टि की है कि यह जल्द ही भारत में वीवो एस 1 प्रो बेचने के लिए ई-रिटेलर्स में से एक होगा। इस डिवाइस को पहले फिलीपींस में लॉन्च किया जा चुका है। यह वाटरड्रॉप नॉच और डायमंड-शेप च्ाड कैमरों के साथ आता है। फोन में शायद फुल-एचडी प्लस रिसोल्यूशन सपोर्ट के साथ 6.38 इंच सुपर एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इसमें 8जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज के साथ स्नैपड्रैगन 655 एसओसी दी गई है। ऑप्टिक्स की बात की जाए तो फोन में 48 एमपी प्लस 8 एमपी प्लस 2 एमपी सेनसर्स डायमंड-शेप च्ाड कैमरा सेटअप के साथ दिए गए हैं। फ्रंट की बात की जाए तो इसमें 32 एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। स्मार्टफोन में 4,500 एमएएच की बैटरी के साथ-साथ 18 वॉट फास्ट-चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। ड्यूअल सिम सपोर्ट और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट भी इसमें देखने को मिलेगा।

अप्रैल से नवंबर के दौरान 4.4 प्रतिशत बढ़ा कोयला आयात

नयी दिल्ली(आरएनएस)। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के दौरान 4.4 प्रतिशत बढ़कर 16.14 करोड़ टन पर पहुंच गया। यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जब केंद्र ने चालू वित्त वर्ष में इस ईंधन का आयात 23.5 करोड़ टन पर सीमित रहने का भरोसा जताया है। कोयला व इस्पात क्षेत्र की ई-वाणिज्य कंपनी एमजंक्शन के आंकड़ों के अनुसार, इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयला आयात 15.46 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उपक्रम है। एमजंक्शन ने कहा, ''प्राथमिक आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के दौरान 16.14 करोड़ टन कोयले का आयात हुआ। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 15.46 करोड़ टन से 4.4 प्रतिशत अधिक है।'' मासिक आधार पर नवंबर महीने में हालांकि कोयला आयात साल भर पहले की तुलना में 0.8 प्रतिशत कम होकर 1.78 करोड़ टन पर आ गया।

बोलिंग सीखकर ऑलराउंडर बनना चाहते हैं चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर खेलकर ही संतुष्ट नहीं है। पुजारा अपनी क्षमताओं में अब बोलिंग का हुनर भी जोड़ना चाहते हैं। रणजी ट्रोफी में पुजारा ने खुद को एक बोलर बनाने का प्रयास शुरू भी कर दिया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर रणजी मैच में अपनी बोलिंग का एक विडियो जारी कर बैटिंग ऑलराउंडर बनने की अपनी फीलिंग जाहिर भी की हैं। अपने मोबाइल फोन पर अपनी बोलिंग का यह विडियो पोस्ट करते हुए पुजारा ने लिखा, वह दिन जब मैंने अपने बल्लेबाज के स्टेटस को ऑल राउंडर में तब्दील किया। पुजारा ने इस कॉमेंट के साथ दो खिलखिलाकर हंसते हुए इमोजी भी बनाए हैं। सोशल मीडिया पर पुजारा के इस पोस्ट को खूब पसंद किया जा रहा है।

सर्दी में क्यों झड़ते हैं बाल? जानें 10 कारण और 5 कारगर घरेलू उपाय

सर्दी के दिनों में सिर्फ त्वचा ही नहीं, बाल भी रूखे और बेजान हो जाते हैं, और बालों को अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है। सर्द मौसम में बालों का झड़ना एक बड़ी समस्या होती है, जिससे निजात पाना जरूरी है। जानें बाल झड़ने के कारण और 5 कारगर उपाय-

कारण - पोषण की कमी बालों के झड़ने की एक प्रमुख वजह है, लेकिन इसके अलावा भी कुछ कारण हैं जो बालों के झड़ने के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह रहे बाल झड़ने के कारण -

1 तनाव
2 एनीमिया
3 बालों के साथ **एक्सपेरिमेंट**
4 विटामिन बी की कमी
5 प्रोटीन की कमी
6 हाइपो थॉयरॉडिज्म
7 डैंड्रफ
8 बोरिंग के पानी से **बाल धोना**
9 अनुवांशिक
10 बालों की जड़ों में **इंफेक्शन**

बालों को झड़ने से बचाने के लिए उसके कारण को पहचानना और सही उपचार अपनाना बेहद जरूरी है। अब जानिए ऐसे 5 कारगर उपचार, जो बालों को झड़ने से रोकने के लिए बेहद फायदेमंद साबित होंगे

1 नारियल - बालों को पोषण देने के लिए नारियल हर रूप में बेहद उपयोगी है। नारियल तेल को हल्का गर्म कर बालों की जड़ों में मसाज करने से जड़ों को पोषण मिलता है और बाल मजबूत होते हैं। इसे कम से कम 1 घंटा बालों में लगाए रखें। इसके अलावा नारियल का दूध बालों में लगाकर मसाल करने के 1 घंटे बाद बाल धोने से भी लाभ होता है।

2 गुड़हल - गुड़हल के लाल फूल बालों के लिए वरदान से कम नहीं है। गुड़हल के फूल को पीसकर नारियल तेल के साथ बालों में लगाएं और आधे से 1 घंटे तक बालों में रखें। इसके बाद बालों को धो लें। यह प्रयोग बालों को डैंड्रफ से बचाने के साथ ही मजबूत और चमकदार बनाता है।

3 अंडा - अंडा प्रोटीन से भरपूर होता है, साथ ही इसमें जिंक, मिनरल और सल्फर भी होता है। ये सभी पोषक तत्व मिलकर बालों को मजबूती प्रदान करते हैं और बालों का झड़ना रोकते हैं। अंडे के सफेद भाग को जैतून के तेल के साथ अच्छी तरह मिक्स करके बालों में मसाज करें। आधे घंटे के बाद बाल धो लें।

4 प्याज - प्याज का रस लगाने से न केवल बालों का झड़ना कम होता है, बल्कि बालों का फिर से उगना और लंबाई बढ़ना भी शुरू हो जाता है। सप्ताह में दो बार प्याज के रस का बालों में लगाकर आधे घंटे बाद शैंपू कर लीजिए। यह बेहद कारगर उपाय है।

5 लहसुन - सल्फर की अधिकता के कारण लहसुन भी बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे नारियल तेल में पकाकर या फिर इसके जूस को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से काफी फायदा होता है।

ऑस्ट्रेलिया के इस तेज गेंदबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 11 साल तक खेलने वाले तेज गेंदबाज पीटर सिडल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 साल के सिडल ने 67 टेस्ट मैचों में 30.66 की औसत से 221 विकेट लिए थे। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल एशेज में खेला था। वो इन दिनों न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किए गए थे। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान उन्होंने संन्यास लेने की खबर पहले कोच जस्टिन लैंगर को दी और फिर बाद में टीम के बाकी खिलाड़ियों को बताया।

घर से कॉकरोच का करना है सफाया तो आजमाएं शकर का यह नुस्खा

सभी के घरों में पाई जाने वाली शकर के कुछ ऐसे जबरदस्त नुस्खे है, जो सभी को नहीं पता होते। अगर आप इन नुस्खों को जानकर इन्हें आजमाएंगे तो आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती है, जिनमें घर से कॉकरोच

का सफाया करना भी शामिल है। आइए, जानते हैं कैसे-

1 बादाम को खराब होने से बचाने के लिए कंटेनर में रखने से पहले उसमें तीन-चार चम्मच शक्कर डाल दें, इससे सालों-साल बादाम खराब नहीं होंगे।

2 यदि आप चाहते हैं कि फूलदान और गमलों का पानी जल्दी ना बदलना पड़ें तो लगभग 10-12 लीटर पानी में एक औंस हाइड्रोजन सल्फेट मिलाकर थोड़ी-सी चीनी डाल दें, इस घोल से फूल 15-20 दिनों तक ताजे बने रह सकते हैं।

3 फटे हाथ-पैरों के इलाज के लिए चीनी के शर्बत से उन्हें धोना चाहिए।

4 कॉकरोच

कई बीमारियों के वाहक है, उनसे बचने के लिए दस ग्राम बोरिक एसिड पाउडर, एक बड़ा चम्मच चीनी, एक बड़ा चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच गेहूं के आटे को मिलाकर गोलियां बनाएं, अब इन गोलियों को अलमारी या फ्रिज में रखें कॉक्रोच नहीं आएंगे।

आज का राशिफल

मेषः **व्यावसायिक मामलों में फैसले लेते वक्त आपको सुस्पष्ट सोच से काम करना होगा। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।**

वृषभः **आर्थिक मामलों में तकदीर आपका साथ देगी। बिजनस में त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधो के मामले में ये रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे।**

मिथुनः **आपने पहले से ही जो उम्मीदें संजोकर रखी हैं या फिर आप जैसा चाह रहे होंगे। उनके पूरा न होने से आप हताश हो सकते हैं। निजी संबंधो के मामले में आपको मतभेद का सामना करना पड़ सकता है।**

कर्कः **युवाओं सरीखा ऊर्जावान महसूस करेंगे। परिवार के प्रति आपका रवैया उदार रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप युवा लोगो को प्रोत्साहित करने में सफल रहेंगे।**

सिंहः **निजी संबंध प्रेमपूर्ण और प्रसन्नता दायक रहेंगे। संबंधों के मामले में मौजूदा वक्त यादगार है। कारोबार में सफलता मिलेगी और सौभाग्य भी साथ देगा।**

कन्याः **आपके परिवेश में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। नए अवसर सामने आएंगे। कामयाबी पाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।**

तुलाः **अतीत के एक दौर की समाप्ति हो रही है और एक नया दौर शुरू होने वाला है। जैसे ही आप व्यावसायिक परियोजना को पूरा कर लेते हैं, वैसे ही आप हल्का व तनावरहित महसूस करेंगे।**

वृश्चिकः **विभिन्न शख्सियतों के बीच आप अलग छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। निजी व व्यावसायिक मामले में ऊर्जावान होकर साहस का परिचय देंगे।**

धनुः **जिंदगी जो भी घटनाएं आपके समक्ष पेश कर रही हैं, उनका भरपूर लुफ्त उठाएं। तभी आप अतीत के अपराधबोध, नकारात्मक विचारों आदि को भुला सकेंगे।**

मकरः **असमंजस के बादल छंटेंगे। पुराने तौर-तरीकों में सुधार करेंगे और आपके दृष्टिकोण में भी नयापन झलकेगा। आप बदलाव के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर हैं।**

कुंभः **अतीत और भविष्य की योजनाओं में न डूबकर आप वर्तमान में रहें और हर लम्हे का आनंद उठाएं।**

मीनः **लोगों से संवाद स्थापित करने का वक्त है। व्यावसायिक और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ संपर्क स्थापित करें।**

सूर्यवंशी में जब साथ आए सिंघम और सिंबा

रणवीर सिंह और सारा अली खान की फिल्म सिंबा के एक साल पूरे होने के मौके पर मेकर्स ने फैंस को सरप्राइज दिया है। मेकर्स ने रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी की एक झलक दी है।

अजय देवगन ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक विडियो शेयर किया है जिसमें सिंघम और सिंबा सूर्यवंशी के साथ आते हैं।

अजय ने पोस्ट को कैप्शन दिया है, तीन गुना फन, तीन गुना ऐक्शन और तीन गुना ऐक्शन का वादा।

फैंस को इस फिल्म का इंतजार है और मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस कर चुके हैं। फिल्म 27 मार्च 2020 को रिलीज होगी। बता दें कि पहले अक्षय कुमार स्टारर सूर्यवंशी और सलमान खान स्टारर इंशाअल्लाह बॉक्स ऑफिस पर एक ही दिन रिलीज होने वाली थीं। लेकिन बीते दिनों सलमान ने ट्विटर के जरिए बताया था कि सूर्यवंशी की रिलीज डेट बदल दी गई है। सलमान ने ट्वीट किया था, मैंने रोहित शेट्टी को हमेशा अपना छोटा भाई माना है और आज उसने यह साबित भी कर दिया। अब सूर्यवंशी 27 मार्च 2020 को रिलीज होगी।

पहले दिन गुड न्यूज़ ने की धुआंधार कमाई

अक्षय कुमार, करीना कपूर, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म गुड न्यूज का काफी वक्त से इंतजार किया जा रहा था और फाइनली यह रिलीज हो गई है। इस फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई की है और माना जा रहा है कि यह फिल्म सुपरहिट रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने अपने पहले ही दिन 17.50 करोड़ रुपये की जोरदार कमाई की है। हालांकि माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में अगर शुक्रवार को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन नहीं होता तो फिल्म की कमाई और ज्यादा हो सकती थी। फिल्म ने ओपनिंग डे पर सुबह के मुकाबले शाम में ज्यादा कमाई की है जिससे माना जा रहा है कि इस वीकेंड पर इसकी कमाई में और इजाफा होगा। यह भी माना जा रहा है कि वीकेंड पर उत्तर प्रदेश में इसकी कमाई में बढ़ोतरी होगी।

न्यू पार्टी मेन्यू में शामिल करें टेस्टी स्नैक्स मटर समोसा

सामग्री

समोसे के लिए

मैदा- 1 कप, सूजी- 1 चम्मच, नमक- स्वादानुसार, तेल- 2 चम्मच, गुनगुना पानी- 1/3 कप

स्टफिंग के लिए

उबले मटर- 2 कप, ऑयल- तलने के लिए, धनिया पाउडर- 3 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच, अमचूर पाउडर- 1 चम्मच, गरम मसाला- 1/4 चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

आटा गूंथने के लिए

मैदा, सूजी, नमक और ऑयल मिलाकर अच्छे से आटे को पहले मिक्स करें और फिर पानी की मदद से इसे अच्छी तरह गूंथ लें। अब इसे सेट होने के लिए 10 मिनट तक रख दें।

फिलिंग के लिए

सबसे पहले हरी मटर को थोड़े सा पानी के साथ उबाल लें। अब इसका पानी निकालकर उसे थोड़ा सुखा लें। अब एक बाउल में मटर, धनिया, मिर्च, अमचूर और गरम मसाला पाउडर डालें। फिर आवश्यकतानुसार नमक डाल दें।

अब एक पैन में ऑयल गरम करें। इसमें हरी मटर वाला मिक्सचर डालें और इसे अच्छी तरह भूनें जब तक कि उसका पानी सूख न जाए। अब इसे गैस से उतार कर किनारे रख दें।

समोसे के लिए

आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। अब इन्हें बेल लें। बीच से आधा काटे और आधे कटे हुए हिस्से में ये फिलिंग भरें। किनारों को आपस में चिपकाएं आर इन्हें पूरी तरह पैक कर लें।

कढ़ाई में तेल गरम होने के लिए रख दें। अब इसमें समोसे को फ्राई कर लें। एब्जॉर्बेंट पेपर पर निकालें और इमली की चटनी के साथ सर्व करें गरमा-गरम समोसे।

शब्द सामर्थ्य- 89

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

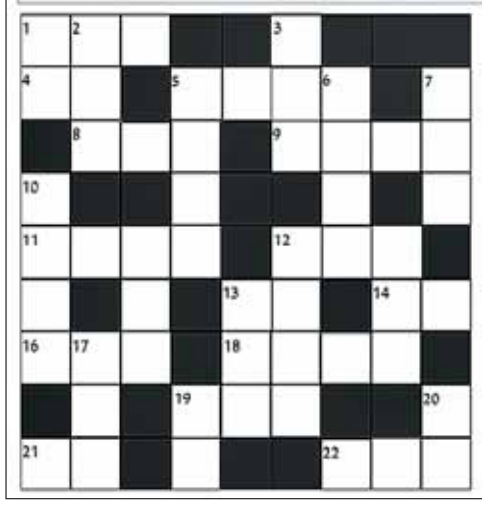

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ध
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च्च	ल	ना

सू-दोकू- 89

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 88 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6